ISSN 2278-8808
An International Peer Reviewed
SCHOLARLY RESEARCH JOURNAL
FOR INTERDISCIPLINARY STUDIES

प्राथमिक विद्यालयों में नियमित एवं अंशकालिक शिक्षकों के व्यावसायिक तनाव तथा शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययन

श्रीमती रेखा राणा

रीडर, शिक्षा विभाग, मेरठ कॉलिज मेरठ

Abstract

प्रस्तुत शोधपत्र प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत नियमित एवं अंशकालिक शिक्षकों के व्यावसायिक तनाव एवं शिक्षण प्रभाव शीलता का तुलनात्मक अध्ययन करने के उद्देश्य से पूर्ण किया गया। न्यादर्श के रूप में सामान्य यादृच्छिक विधि से मेरठ जिले के मवाना एवं सरधना क्षेत्र के 100 स्थायी एवं 80 अस्थायी शिक्षक – शिक्षिकाओं का चयन किया गया। श्रीवास्तव एवं सिंह द्वारा निर्मित 'व्यावसायिक तनाव सूचकांक' तथा उम्मे कुलसुम द्वारा निर्मित 'टीचर इफेक्टिवनेस स्केल का प्रयोग आँकड़ों के संग्रह हेतू किया गया। आँकड़ों के विश्लेषण हेतू 'मध्यमान', 'मानक विचलन' एवं 'टी' परीक्षण का प्रयोग किया गया। प्राप्त परिणामों से ज्ञात हुआ कि अंशकालिक शिक्षकों में व्यावसायिक तनाव का स्तर नियमित शिक्षकों की अपेक्षा अधिक पाया गया एवं अंशकालिक शिक्षक–शिक्षिकाओं की शिक्षण प्रभावशीलता नियमित शिक्षक–शिक्षिकाओं की तुलना में कम पायी गई।

मुख्य शब्दः *प्राथमिक विद्यालय, नियमित एवं अंशकालिक शिक्षक–शिक्षिकायें, व्यावसायिक तनाव, शिक्षण प्रभावशीलता*

प्रस्तावना

दैनिक जीवन में तनाव अनुभव होना मानव जीवन की सत्यता है। जीवन में शून्य तनाव कल्पना से परे है। आज इस प्रतिस्पर्धा के युग में तनाव की समस्या अधिक प्रतीत होती है। व्यवसाय भी तनाव की उपस्थिति से अछूते नहीं है। इसी प्रकार शिक्षण व्यवसाय भी अपवाद नहीं है। वर्तमान समय में तनाव एक ऐसी गम्भीर समस्या के रूप में सामने है। जो व्यक्ति की क्षमताओं को बाधित करता है एवं प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। यदि तनाव को समय रहते कम न किया जाये तो कई प्रकार की भावात्मक एवं शारीरिक समस्यायें जन्म ले लेती है।

शिक्षा व्यक्ति एवं समाज की उन्नति का सबसे प्रभावशाली उपकरण है। यह सार्वभौमिक रूप से स्वीकार किया गया है कि किसी राष्ट्र की प्रगति उसके गुणी एवं योग्य

नागरिकों पर निर्भर करती है एवं योग्य नागरिकों हेतू गुणवत्तापूर्ण शिक्षा–प्रणाली का होना अत्यावश्यक है। प्रभावशाली शिक्षक किसी भी शिक्षा प्रणाली का आधार स्तम्भ ही होता है। इसलिये शिक्षक का तनाव मुक्त होना, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से राष्ट्र के विकास के लिये आवश्यक है। शिक्षक किसी भी राष्ट्र के वास्तविक निर्माता होतें हैं। उनके मार्गदर्शन में ही छात्रों का भविष्य निर्माण होता है।

माध्यमिक शिक्षा आयोग (1952–53) में उचित ही कहा गया है कि यह निश्चिंतता विषय है कि शैक्षिक पुननिर्माण में सबसे प्रभावशाली घटक शिक्षक है। शिक्षक राष्ट्र के वास्तविक निर्माता है। जो विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करने के साथ–साथ, दूरदर्शी बनाने एवं व्यापक दृष्टिकोण विकसित करने का उत्तम कार्य करते हैं।

यदि शिक्षक ही तनावग्रस्त होगा तो उससे राष्ट्र निर्माण की आशा नहीं की जा सकती। विद्यार्थियों की सफलता का उत्तरदायित्व शिक्षकों पर ही होता है। साथ ही साथ पठन–पाठन के अतिरिक्त अन्य कार्यो का दबाव भी शिक्षकों पर होता है। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में शिक्षकों की नियुक्ति नियमित एवं संविदा या अंशकालिक प्रकृत्ति की दृष्टिगत होती है। दोनों ही प्रकार के शिक्षकों की भिन्न–भिन्न समस्यायें दृष्टिगत होती है। जिस कारण शिक्षकों में तनाव की अनुभूति होती है।

श्वाब एवं इवानकी (1982) के अनुसार शिक्षकों में व्यावसायिक तनाव भावनात्मक थकान, प्रतिरूपण की भावनाओं तथा विफलता की भावनाओं सहित विभिन्न प्रकार के सकारात्मक परिणामों को जन्म दे सकता है जिसे विभिन्न शोधकर्ताओं ने 'बर्न आउट' कहा है।

शिक्षण प्रभावशीलता को ऐसी अधिगम प्रक्रिया के रूप में समझा जा सकता जिसमें शिक्षक अपनी अभिरूचि के साथ छात्रों के साथ अधिकतम एवं उचित अन्तःक्रिया स्थापित कर वांछित उद्देश्यों को प्राप्त करता है दूसरे शब्दों में, शिक्षण में प्रयुक्त होने वाली शिक्षण व्यूह रचना योजनाओं, साधनों, कक्षा–कक्ष प्रक्रियाओं एवं अतःवैयक्तिक कौशलों का दक्षतापूर्ण प्रदर्शन ही शिक्षण प्रभावशीलता है।

शिक्षक प्रभावशीलता शैक्षिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण एवं आवश्यक घटक है। शिक्षक प्रभावशीलता, शिक्षकों की विशेषताओं, उनकी अध्यापन क्षमता एवं शिक्षक के परिणामों से

आँकी जा सकती है। प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों की सफलता पूर्णतः शिक्षकों पर ही निर्भर होती है।

यहाँ यह भी देखना महत्वपूर्ण होगा कि शिक्षकों के व्यावसायिक तनाव से शिक्षण प्रभावशीलता प्रभावित होती है या नहीं

अध्ययन के उद्देश्यः

1. प्राथमिक विद्यालय के नियमित व अंशकालिक शिक्षकों के व्यवसायिक तनाव का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. प्राथमिक विद्यालय के नियमित व अंशकालिक शिक्षिकाओं के व्यवसायिक तनाव का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. प्राथमिक विद्यालय के नियमित व अंशकालिक शिक्षकों के शिक्षण प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
4. प्राथमिक विद्यालय के नियमित व अंशकालिक शिक्षिकाओं के शिक्षण प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँः

1. प्राथमिक विद्यालय के नियमित व अंशकालिक शिक्षकों के व्यवसायिक तनाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. प्राथमिक विद्यालय के नियमित व अंशकालिक शिक्षिकाओं के व्यवसायिक तनाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. प्राथमिक विद्यालय के नियमित व अंशकालिक शिक्षकों के शिक्षण प्रभावशीलता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
4. प्राथमिक विद्यालय के नियमित व अंशकालिक शिक्षिकाओं के शिक्षण प्रभावशीलता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

सारणी संख्या –1

प्राथमिक विद्यालयों के नियमित शिक्षकों एवं अंशकालिक शिक्षकों के व्यवसायिक तनाव सम्बन्धी प्राप्तांकों (मध्यमान, मानक विचलन तथा t- का मान) का मान

क्र सं0	चर	संख्या N	मध्यमान M	मानक विचलन S.D	'टी' मान 'T'	सार्थकता स्तर .05
1	नियमित शिक्षक	50	127.880	12.32	3.998	सार्थक
2	अंशकालिक शिक्षक	40	139.075	17.68		

सारणी संख्या –2

प्राथमिक विद्यालयों के नियमित शिक्षकाओं एवं अंशकालिक शिक्षकाओं के व्यवसायिक तनाव सम्बन्धी प्राप्तांकों (मध्यमान, मानक विचलन तथा t- का मान) का मान

क्र सं0	चर	संख्या N	मध्यमान M	मानक विचलन S.D	'टी' मान 'T'	सार्थकता स्तर .05
1	नियमित शिक्षकाएँ	50	134.42	8.20	1.199	असार्थक
2	अंशकालिक शिक्षकाएँ	40	136.70	9.53		

सारणी संख्या –3

प्राथमिक विद्यालयों के नियमित शिक्षकों एवं अंशकालिक शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता सम्बन्धी प्राप्तांकों (मध्यमान, मानक विचलन तथा t-मान) का मान

क्र सं0	चर	संख्या N	मध्यमान M	मानक विचलन S.D	'टी' मान 'T'	सार्थकता स्तर .05
1	नियमित शिक्षक	50	307.70	27.91	3.081	सार्थक
2	अंशकालिक शिक्षक	40	290.93	23.69		

सारणी संख्या –4

प्राथमिक विद्यालयों के नियमित शिक्षकाओं एवं अंशकालिक शिक्षकाओं की शिक्षक प्रभावशीलता सम्बन्धी प्राप्तांकों (मध्यमान, मानक विचलन तथा t- का मान) का मान

क्र सं0	चर	संख्या N	मध्यमान M	मानक विचलन S.D	'टी' मान 'T'	सार्थकता स्तर .05
1	नियमित शिक्षकाएँ	50	311.78	18.14	3.288	सार्थक
2	अंशकालिक शिक्षकाएँ	40	295.90	25.165		

सारणी संख्या –5

नियमित शिक्षकों के व्यवसायिक तनाव के सन्दर्भ में शिक्षण प्रभावशीलता सम्बन्धी प्राप्तांकों (मध्यमान, मानक विचलन तथा t- का मान) का मान

क्र सं0	चर	संख्या N	मध्यमान M	मानक विचलन S.D	'टी' मान 'T'	सार्थकता स्तर .05
1	उच्च तनाव	12	274.083	13.139	9.4031	सार्थक
2	निम्न तनाव	22	329.918	20.205		

सारणी संख्या –6

अंशकालिक शिक्षकों के व्यवसायिक तनाव के सन्दर्भ में शिक्षण प्रभावशीलता सम्बन्धी प्राप्तांकों (मध्यमान, मानक विचलन तथा t- का मान) का मान

क्र सं0	चर	संख्या N	मध्यमान M	मानक विचलन S.D	'टी' मान 'T'	सार्थकता स्तर .05
1	उच्च तनाव	16	272.375	9.64	8.419	सार्थक
2	निम्न तनाव	11	321.09	16.51		

सारणी संख्या –7

नियमित शिक्षिकाओं के व्यवसायिक तनाव के सन्दर्भ में शिक्षण प्रभावशीलता सम्बन्धी प्राप्तांकों (मध्यमान, मानक विचलन तथा t- का मान) का मान

क्र सं0	चर	संख्या N	मध्यमान M	मानक विचलन S.D	'टी' मान 'T'	सार्थकता स्तर .05
1	उच्च तनाव	12	286.416	14.764	9.476	सार्थक
2	निम्न तनाव	12	335.50	8.787		

सारणी संख्या –8

अंशकालिक शिक्षिकाओं के व्यवसायिक तनाव के सन्दर्भ में शिक्षण प्रभावशीलता सम्बन्धी प्राप्तांकों (मध्यमान, मानक विचलन तथा t- का मान) का मान

क्र सं0	चर	संख्या N	मध्यमान M	मानक विचलन S.D	'टी' मान 'T'	सार्थकता स्तर .05
1	उच्च तनाव	13	269.615	19.13	7.002	सार्थक
2	निम्न तनाव	10	322.70	15.58		

परिणामों की व्याख्याः

प्रस्तुत अध्ययन के परिणाम दर्शाते हैं कि अस्थायी शिक्षकों में स्थायी शिक्षकों की अपेक्षा अधिक व्यावसायिक तनाव पाया गया। इसका कारण अस्थायी शिक्षकों में अत्यधिक कार्यभार, कम वेतन तथा रोजगार से हटाये जाने का भय आदि हो सकते हैं। अध्ययन में यह भी पाया गया कि स्थायी एवं अस्थायी शिक्षिकाओं के व्यावसायिक तनाव में अन्तर नहीं था।

अध्ययन के परिणाम में यह भी पाया गया कि अस्थायी शिक्षक–शिक्षिकाओं की शिक्षण प्रभावशीलता स्थायी शिक्षक–शिक्षिकाओं की प्रभावशीलता से कम थी। शोधकर्ता ने यह अनुभव किया कि अस्थायी शिक्षक–शिक्षिकाएँ जिनमें अनुभव की पर्याप्त कमी थी, के कारण इस प्रकार के परिणाम सामने आये।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

Flectcher, B., & Payne, R L (1982) Levels of reported stressors and strains amongst st. school-teachers, Some UK data – Educational Research 34, 267-278.

Government of India (1953) Teacher stress and burnout : An International review Educational Research 29, 89-96.

Good (1959) Teaching effectiveness Dictionary of Education New York: Mc. Graw Hill.

Kyriacou, C (1987) Teacher stress and burnout: An International review Educational Research 29, 89-96.

Kumar, K., Priyam. M., and Saxena, S (2001) "The Trouble with "Contract teachers", Frontline, 18/22.

Parkar, S.K, Griffen, M.A., Sprigg, C.A., Wall, T.D. (2002) Effect of Temporary contracts on perceived work characteristics and job strain: A longitudinal study. Personnel Psychology, 55 (3), 689-716.

Schwab, R.L. & Iwanicki, E.F. (1982) Who are our burned out teachers? Educational Research Quarterly, 7, 5-15.

Wilet, L.H. (1980) Comparison of instructional effectiveness of full and part time faculty, Community/Junior College Research Quarterly, 5, 25-30.